



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 30, 1993/कार्तिक 8, 1915

No. 32]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 30, 1993/KARTIKA 8, 1915

इस खण्ड में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए आदेश
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union
Territories)

भारत निर्वाचन आयोग
आदेश

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1993

आ. अ. 116.—राजस्थान विधान सभा के लिए
1990 में साधारण निर्वाचन हुआ था। जिला निर्वाचन अधि-
कारी, चित्तौड़गढ़ ने अपने तारीख 24 अप्रैल, 1990 की
संसूचना सं. निर्वा/एफ. 6-25 (90)496 द्वारा आयोग
को यह सूचित किया था कि 125-निम्बाहेड़ा विधान सभा
निर्वाचन-क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री विक्रम सिंह
लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77 के अधीन
अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा 30 मार्च, 1990 तक
दाखिल करने में असफल रहे हैं;

2. और, 31 अक्टूबर, 1990 को अभ्यर्थी को एक
कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था और उनमें कोई
उत्तर प्राप्त नहीं हुआ;

3. और, अपनी तारीख 6 फरवरी, 1992 को अनुपूरक
रिपोर्ट में जिला निर्वाचन अधिकारी, चित्तौड़गढ़ ने यह सूचित
किया था कि उक्त अभ्यर्थी ने अपना लेखा दाखिल नहीं किया
था;

4. और, जिला निर्वाचन अधिकारी को उक्त अनुपूरक
रिपोर्ट के आधार पर आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,
1951 की धारा 10क के अधीन श्री विक्रम सिंह को निरहित
करने के लिए आवेदन पारित किया था और यह आदेश आयोग
के तारीख 9 मार्च, 1992 के आदेश सं. 76/राज.-वि.सं./
91(4) द्वारा अधिसूचित किया था;

5. और, 9 मार्च, 1992 के उक्त निरर्हता आदेश के
प्राप्त होने पर श्री विक्रम सिंह ने आयोग को यह अभ्यावेदन
दिया था कि उन्होंने 20 मार्च, 1990 को जिला निर्वाचन
अधिकारी निम्बाहेड़ा को अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा पहले
ही दाखिल कर दिया था;

6. और, उक्त अभ्यावेदन पर जिला निर्वाचन अधिकारी से टिप्पणी भेजने को कहा गया था और उन्होंने तारीख 14 जुलाई, 1993 को अपनी रिपोर्ट द्वारा यह पुष्टि की थी कि श्री विक्रम सिंह ने अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल किया था जो रिटनिंग आफिसर के कार्यालय में प्राप्त हुआ किन्तु उन्होंने उसे जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में नहीं भेजा था;

7. अतः, अब, इस मामले में सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयोग यह निदेश देता है कि श्री विक्रम सिंह से संबंधित उसमें तारीख 9 मार्च, 1992 के आदेश सं. 76/रा. वि. स./91(4) में प्रविष्टि सं. 381 को इसके द्वारा विखंडित किया जाता है।

[सं. 76/राज./93]

आदेश से,

बलवन्त सिंह, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 14th October, 1993

O.N. 116.—Whereas a General Election to Rajasthan Legislative Assembly was held in 1990. The District Election Officer, Chittorgarh had informed the Commission vide his communication No. ELEC/F. 6-25(90)496 dated 24th April, 1990 that Shri Vikram Singh, a contesting candidate from 125.—Nimbahera Assembly Constituency has failed to lodge his account of election expenses by 30th March, 1990, as required under section 77 of the Representation of the People Act, 1951;

2. And, whereas, a show cause notice was issued to the candidate on 31st October, 1990 and no reply was received from him;

3. And, whereas, in his supplementary report dated 6th February, 1992, the District Election Officer, Chittorgarh had reported that the said candidate did not lodge his account;

4. And, whereas, on the basis of the said supplementary report of the District Election Officer, the Commission passed an order for the disqualification of Shri Vikram Singh under Section 10A of the Representation of the People Act, 1951 and this order was notified vide Commission's order No. 76/RJ-AL/91(4) dated 9th March, 1992;

5. And, whereas, on receipt of the said disqualification order dated 9th March, 1992, Shri Vikram Singh represented to the Commission that he had already lodged the account of his election expenses with the election officer, Nimbahera on 20th March, 1990;

6. And, whereas, the District Election Officer was asked to send his comments on the said representation and he had confirmed vide his report dated 14th July, 1993 that Shri Vikram Singh had indeed lodged his account of election expenses which has been found in Returning Officer's office and was not forwarded by him to the District Election Officer's office;

7. Now, therefore, after taking into account all aspects of the matter and in exercise of the powers under section 11 of the Representation of the People Act, 1951, the Commission directs that entry No. 381 in Commission's Order No.

76/RJ-AL/91(4) dated 9th March, 1992 relating to Shri Vikram Singh is hereby rescinded.

[No. 76/RJ/93]

By order,

RALWANT SINGH, Secy.

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1993

आ. अ. 117.—परसवाड़ा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए फरवरी, 1990 में हुए साधारण निर्वाचन में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री टीका राम सोलखे (टीकू पटेल) निवासी ग्राम नेत्रा, पो. लिंगा, तहसील और जिला बालाघाट, मध्य प्रदेश को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10-क के अधीन निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहने पर जैसा कि उक्त अधिनियम और तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित है, भारत निर्वाचन आयोग के तारीख 9-3-1992 के आदेश सं. 76/म. प्र.-वि. स./91(6) के द्वारा निरहित किया गया था;

और उक्त श्री टीका राम सोलखे (टीकू पटेल) ने लेखा दाखिल करने में अपनी असफलता के कारण बताते हुए उन पर लगाई गई और निरहता की अवधि कम करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के सामने 24-8-1993 को एक अर्जी दाखिल की थी।

और, अर्जी पर विचार करने के पश्चात् तथा इस मामले के सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को देखते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तारीख 25-10-1993 के अपने आदेश द्वारा श्री काराम सोलखे (टीकू पटेल) पर लगाई गई निरहता की अवधि 9-3-1992 से 25-10-93 तक (दोनों दिन मिलाकर) घटा दी है और परिणामस्वरूप श्री टीका राम सोलखे (टीकू पटेल) 26-10-1993 (सम्मिलित करते हुए) के आगे से इसके बाद निरहित नहीं हैं।

अतः अब श्री टीका राम सोलखे, "टीकू पटेल" का नाम, जो कि उक्त आदेश की क्रम संख्या 133 पर है, 26-10-1993 (सम्मिलित करते हुए) से तारीख 9-3-1992 के आदेश सं. 76/म. प्र.-वि. स./91(6) से हटा दिया गया माना जाएगा।

[सं. 76/म. प्र.-वि. स./91]

आदेश से,

राम किशन, सचिव

New Delhi, the 25th October, 1993

O.N. 117.—Whereas Shri Tika Ram Solkhe 'Tiku Patel' R/o village-Netra, Post-Linga, Tehsil and Distt. Balaghat, Madhya Pradesh, contesting candidate for the general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 184-Paraswada assembly constituency held in February, 1990 was disqualified by the Election Commission of India vide its order No. 76/MP-LA/91(6) dated 9-3-1992, under section 10A of Representation of the People Act, 1951 for failure

to lodge any account of his election expenses as required by said act and rules made thereunder.

And whereas, the said Shri Tika Ram Solkhe 'Tiku Patel' had submitted a petition dated 24-8-1993 before the Election Commission of India for reduction in the period of disqualification imposed on him, giving reasons for his failure to lodge the account.

And whereas, after considering the petition and taking all material facts of the case, the Election Commission of India, in exercise of the powers conferred by section 11 of the Representation of the People Act, 1951 has vide its order 25-10-1993 reduced the period of disqualification imposed upon Shri Tika Ram Solkhe 'Tiku Patel' from 9-3-1992 to 25-10-1993 (Both days inclusive) and consequently, Shri Tika Ram Solkhe 'Tiku Patel' is not disqualified after 26-10-1993 (inclusive) onwards.

Now, therefore, the name of Shri Tika Ram Solkhe 'Tiku Patel' appearing at Sl. No. 133 of said order, shall be deemed to have been omitted from order No. 76-MP-LA/91(6), dated 9-3-1992 with effect from 26-10-1993, (Inclusive).

[No. 76[MP-LA/91]

By Order,

RAM KISHAN, Secy.

नई दिल्ली 20, अक्टूबर, 1993

आ. प्र. 118.—39-शाहाबाद (अ.जा.) विधान सभा निर्वाचन-क्षेत्र में उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मई-जून, 1991 में हुए साधारण निर्वाचन में निर्वाचन लड़ने वाली अभ्यर्थी श्रीमती बीना कुमारी, निवासी 184-आवास विकास कालोनी, सिविल लाइन्स, रामपुर, उत्तर प्रदेश को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अधीन निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहने पर, जैसा कि उक्त अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित है, भारत निर्वाचन आयोग के तारीख 7-9-1992 के इसके आदेश सं. 76/उ.प्र.-वि. स./91. के द्वारा निर्वाह किया गया था;

और; उक्त श्रीमती बीना कुमारी ने लेखा दाखिल करने में अपनी असफलता के कारण बताते हुए उन पर लगाई गई निर्वाहता की अवधि कम करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के सामने 2 मार्च, 1993 को एक अर्जी दाखिल की थी।

और, अर्जी पर विचार करने के पश्चात् तथा इस मामले के सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को देखते हुए, भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 के

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तारीख 20-10-1993 के अपने आदेश द्वारा श्रीमती बीना कुमारी पर लगाई गई निर्वाहता की अवधि तारीख 7 सितम्बर, 1992 से 20-10-1993 तक (दोनों दिन मिलाकर) घटा दी है और परिणामस्वरूप श्रीमती बीना कुमारी 21-10-1993 (सम्मिलित करते हुए) के आगे से इसके बाद निर्वाह नहीं है।

अतः, अब, श्रीमती बीना कुमारी का नाम, जो कि उक्त आदेश की क्रम सं. 144 पर है, 11-10-1993 (सम्मिलित करते हुए) से तारीख 7-9-1992 के आदेश सं. 76/उ.प्र.-वि. स./91 से हटा दिया गया माना जाएगा।

[सं. 76/उ.प्र.-वि.स./91]

आदेश से,

बलवन्त सिंह, सचिव

New Delhi, the 20th October, 1993

O.N. 118.—Whereas, Smt. Bina Kumari, r/o 184-Awas Vikas Colony, Civil lines, Rampur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for the general election to Uttar Pradesh Legislative Assembly from 39-Sahabad (SC) assembly constituency held in May-June, 1991 was disqualified by Election Commission of India vide its order No. 76[UP-LA/91 dated 7-9-1992, under section 10A of Representation of the People Act, 1951 for failure to lodge any account of her election expenses as required by said Act and rules made thereunder.

And whereas, the said Smt. Bina Kumari, had submitted a petition dated 2nd March, 1993 before the Election Commission of India for reduction in the period of disqualification imposed on her, giving reasons for her failure to lodge the account.

And whereas, after considering the petition and taking all material facts of the case, the Election Commission of India, in exercise of the powers conferred by section 11 of the Representation of the People Act, 1951 has vide its order dated 20-10-1993 reduced the period of disqualification imposed upon Smt. Bina Kumari, from 7th September, 1992 to 20-10-1993 (both days inclusive) and consequently, Smt. Bina Kumari is not disqualified after 21-10-1993 (inclusive) onwards.

Now, therefore, the name of Smt. Bina Kumari, appearing at S. No. 144 of said order, shall be deemed to have been omitted from order No 76-UP-LA/91, dated 7-9-1992, with effect from 21-10-1993 (inclusive).

[No. 76/UP-LA/91]

By Order,

BALWANT SINGH, Secy.

